7.12.18 (M)

[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7477** **IC**

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Sanskrit-CBCS**

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

munotes.in

(M) 81.21.4

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Answer **all** questions.
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ।।

OR

अथवा

भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम् ।
अधृष्याश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः ।।

(ख) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम् ।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः ।।

OR

अथवा

व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः ।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्त्रो धर्म इवाश्रितः ।।

2. Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

(क) इयेष सा कर्तुमवन्ध्यरूपतां समाधिमास्थाय तपोभिरात्मनः ।
अवाप्यते वा कथमन्यथा द्वयं तथाविधं प्रेम पतिश्च तादृशः ।।

OR

अथवा

विरोधिसत्त्वोज्झितपूर्वमत्सरं द्रुमैरभीष्टप्रसवार्चिताऽतिथि ।
नवोटजाऽभ्यन्तरसम्भृतानलं तपोवनं तच्च बभूव पावनम् ।।

(ख) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात् ।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत् ।।

OR

अथवा

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम् ।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।।

3. (क) Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

विशङ्कमानो भवतः पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः ।
दुरोदरच्छद्मजितां समीहते नयेन जेतुं जगतींसुयोधनः ।।

munotes.in

OR

अथवा

सुखेन लभ्या दधतः कृषीवलैरकृष्टपच्या इव सस्यसम्पदः ।
वितन्वति क्षेममदेवमातृकाश्चिराय तस्मिन्कुरवश्चकासति ।।

(ख) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

OR

अथवा

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधि मण्डलं भुवः ।
स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यतीरहो दुरन्ता बलवद् विरोधिता ।।

4. (क) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

प्रसह्यमणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्टान्तरात्, समुद्रमपिसन्त रेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम् ।
भुजङ्गमपिकोपितंशिरसिपुष्पवद्धारयेत्, नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजन चित्तमाराधयेत् ।।

OR

अथवा

अम्भोजिनीवनविहारविलासमेव,
हंसस्य हन्ति नितरां कुपितो विधाता ।
न त्वस्य दुग्धजलभेदविधौ प्रसिद्धां,
वैदग्ध्यकीर्तिमपहर्तुमसौ समर्थः ।।

(ख) Answer the following in Sanskrit : 1×5=5

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

(i) के मत्सरग्रस्ताः ?
(ii) मृगरुपेकेचरन्ति ?
(iii) जीर्णमङ्गेकिम् ?
(iv) कास्वर्गात्शैवंशिरःउपगता ?
(v) कःपशुः ?

5. Write grammatical notes on any **four** of the following : 4×2=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर व्याकरण सम्बन्धी टिप्पणी लिखिए :

पण्डितानां, वसूनि, वचांसि, वसन्ति, हेतवः, जरसा, विजित्य, करिष्यति ।

munotes.in

6. Answer any **two** of the following :

8×2=16

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) Describe the "शासन व्यवस्था" of Duryodhana.

दुर्योधन की ''शासन व्यवस्था'' पर प्रकाश डालिये।

(ख) Describe the common traits of Raghuvanshi Kings.

रघुवंशी राजाओं के गुणों पर प्रकाश डालिये।

(ग) Describe penance of Parvati according to Kumarsambhavam.

कुमारसंभव के अनुसार पार्वती-तपस्या का वर्णन कीजिए।

(घ) Describe the "मूर्खपद्धति" According to Bhartrihari ?

भर्तृहरि के अनुसार "मूर्खपद्धति" का वर्णन कीजिए।

(ङ) Write an essay on the poetic style of Bharavi.

भारवि की काव्यशैली पर एक निबन्ध लिखिए ।

7. Throw the light on main Sanskrit Mahakavyas ?

10

प्रमुख संस्कृत महाकाव्यों पर प्रकाश डालिये।

OR

अथवा

Describe the origin of Gitikavyas in Sanskrit. Write a note on the Gitikavyas of Bhartrihari.

गीतिकाव्य के उद्भव का विवेचन करते हुए भर्तृहरि के काव्यों पर टिप्पणी लिखिए।